बी.ए. पार्ट द्वितीय 2013

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र–(हिन्दी काव्य)

समयावधि – 3 घण्टे पूर्णांक – 100

नोट – इस प्रश्नपत्र में 03 खण्ड होगे:-

खण्ड अ – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से दो लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब – इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ होगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल पॉच प्रश्न अथवा व्याख्याएँ करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स – इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है), जो सभी इकाइयों में से दिये जायेगें किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नही होगा। दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक–40

इकाई – I

निर्धारित कवि

1. केशवदास (संक्षिप्त रामचिन्द्रका : सं. लाला भगवान दीन, ना. प्र.स. काशी)

   बाल कांड – 2, 3, 80, 172, 192, 193

   अयोध्या कांड – 25, 31, 39,

   अरण्य कांड – 18

   सुन्दर कांड – 15, 16, 34, 35, 55, 57

   लंका कांड – 3, 4, 19, 20, 21, 133, 134, 147

   उत्तर कांड – 121

2. बिहारी (बिहारी रत्नाकर: जगन्नाथ दास रत्नाकर द्वारा संपादित)

   1, 7, 8, 9, 20, 27, 32, 34, 41, 51, 52, 60, 61, 62, 69, 70, 94, 95, 121, 191, 201, 225, 255, 301, 317, 347, 361, 363, 384, 472, 576, 583, 588, 642, 681,

इकाई – II

1. घनानन्द (घनानन्द कवित्त सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र संजय बुक सेन्टर, वाराणसी)
   2, 3, 4, 5, 6, 9, 12, 13, 14, 15, 27, 60, 66, 68, 70, 73, 75, 82, 84, 97,

2. भूषण (भूषण ग्रन्थावली सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
   411,412,420,421,428,429,431,432,437,443,451,463,477,478,480,510,512,546,548,551,561,586,

3. सूर्यमल्ल मिश्रण - वीर सत्सई प्रारंम्भ के 50 छन्द

इकाई - III

जगन्नाथदासं रत्नाकार - उद्धव शतक (सम्पूर्ण)

इकाई - IV

हिन्दी साहित्य का इतिहास - रीतिकाल

इकाई - V

1. काव्य रीति
2. रस- रस का स्वरूप, अवयव एवं रस लक्षण, विश्लेषण एवं निष्पति।
3. हिन्दी के प्रमुख रीति आचार्य एवं उनका चिन्तन।

सहायक ग्रन्थ -

1. हिन्द साहित्य का अतीत (भाग-2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
2. रीति काव्य की भूमिका- डा. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास; रीतिकाल आचार्य रामचन्द्र शुकल।

द्वितीय प्रश्नपत्र- प्रयोजनमूलक हिन्दी

समयावधि - 3 घण्टे पूर्णांक - 100

नोट - इस प्रश्नपत्र में 03 खण्ड होगे:-

खण्ड अ - इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से दो लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 अनिवार्य प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक - 10

खण्ड ब - इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ होगी। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते हुए कुल पॉच प्रश्न अथवा व्याख्याएँ करनी होगी। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक - 50

खण्ड स – इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है), जो सभी इकाइयों में से दिये जायेगें किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नही होगा। दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक–40

इकाई – I

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी अभिप्राय और क्षेत्र
2. पत्रकारिता – रूप और प्रकार

   पत्रकार वार्ता

   हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास

   प्रमुख पत्र पत्रिकाएँ और पत्रकार

इकाई – II

1. सम्पादन कला

   सम्पादरीय लेखन

   रिपोंटिंग

   प्रुफ – शोधन

   साक्षात्कार

   प्रेस प्रबन्धन

   प्रेस कानून और आचार संहिता

इकाई – III

1. संचार माध्यम लेखन

   संचार माध्यम का स्वरूप मुद्रण, श्रव्य, दृश्य, इंटरनेट।

   संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र

   विज्ञापन लेखन – उद्धेश्य और स्वरूप तथा मासिक – विन्यास।

   रेडियो लेखन – श्रव्य भाषा की प्रकृति, रेडियों लेखन के विविध पक्ष–उदघोषणा, समाचार, नाटक एवं रूपक, फीचर, रिपोर्ट, संयोजन

इकाई – IV

1. टेलीविजन एवं फिल्म लेखन–दृश्य माध्यमों की भाषा और सामग्री संयोजन, पार्श्ववाचन, पटकथा–लेखन, संवाद लेखन टेलीड्रामा एवं डौक्यूमेंटरी, साहित्यिक कृतियों का दृश्यमाध्यमों मे रूपान्तरण।
2. इन्टरनेट :– सामग्री – सृजन एवं संयोजन

इकाई - V

1. अनुवाद

   महत्व और स्वरूप, प्रक्रिया, प्रकार

   अनुवाद और समतुल्यता

   अनुवाद समीक्षा

   अनुवाद की प्रकृति

   अनुवाद की समस्याएँ -

   पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याऐं साहित्यानुवाद की समस्याऍं

सहायक ग्रन्थ

1. आधुनिक पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
2. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य - राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीडिया लेखन - सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पटकथा लेखन:एक परिचय, - मनोहर श्याम जोशी, राजकमल, नई दिल्ली
6. फीचर लेखन :स्वरूप और शिल्प- डॉ. मनोहर प्रभाकर राधाकृष्ण, नई दिल्ली
7. अनुवाद सिद्वानत की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. अनुवाद: सिन्द्वात और समस्याऐं - डॉ. रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
9. अनुवाद : सिन्द्वात एवं प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथन, लोकभारती इलाहाबाद